राष्ट्रीय गणित सप्ताह 18-22 दिसंबर 2023

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के गणित, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल के तहत वैदिक गणित अनुसन्धान केंद्र और श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग ने संयुक्त रूप से शाहपुर परिसर में 18 से 22 दिसंबर 2023 तक चलने वाले राष्ट्रीय गणित सप्ताह समारोह के दौरान वैदिक गणित विषय पर 20 दिसंबर 2023 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य छात्रों को श्रीनिवास रामानुजन के कार्यों के विभिन्न दिलचस्प पहलुओं से परिचित कराना और वैदिक गणित को लेकर छात्रों के बीच में अनुसंधानउन्मुख दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था।- राष्ट्रीय गणित सप्ताह का उत्सव हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल के बहुमूल्य मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत शाहपुर परिसर में 18-22 दिसंबर 2023 तक पहले से ही प्रक्रिया में है। वैदिक गणित पर चर्चा करने के लिए इस वेबिनार में राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली से श्री अतुल कोठारी ने मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

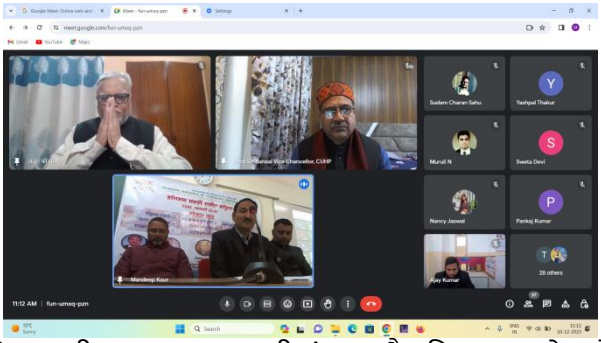

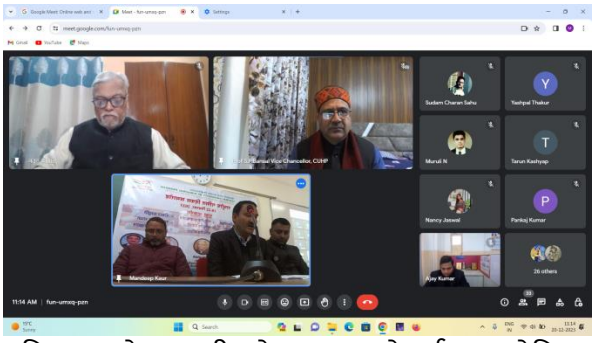

वेबिनार की शुरुआत सरस्वती वंदना और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलगीत के उद्धरण से हुई। इस वेबिनार के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि .श्री अतुल कोठारी और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में मनाये जाने वाले राष्ट्रीय गणित सप्ताह के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय गणित सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतिस्पर्धी गतिविधियों तथा मिलने वाले पुरस्कारों से अवगत कराया। उन्होंने आगे कहा कि विभाग आधुनिक गणित के साथ वैदिक गणित के दिलचस्प संबंध स्थापित करने और संबंधित शोध क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर काम करने के लिए प्रयासरत है। प्रो कुमार ने .आगे कहा कि इस वेबिनार में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और कार्य पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास से विशेषज्ञ श्री अतुल कोठारी अपना ज्ञान साझा करेंगे और संबंधित क्षेत्र में ज्ञान के सृजन के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव देंगे।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि राष्ट्रीय गणित सप्ताह समारोह विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों को श्रीनिवास रामानुजन के दिलचस्प और महत्वपूर्ण कार्यों पर फिर से ध्यान केंद्रित करने का मौका देता है। उन्होंने विभाग के सदस्यों को रामानुजन के शोध कार्य को आगे बढ़ाने तथा संपूर्ण मानवता के लिए उपयोगी परिणाम उत्पन्न करने वाले गणितीय सूत्रों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। इसके आगे प्रो. बंसल ने कहा कि कई अपनी विदेशी यात्राओं के दौरान उन्होंने पाया कि भारतीय अपने प्राचीन गणनात्मक तरीकों के अभ्यास के कारण अन्य देशों के लोगों की तुलना में निर्णय लेने में तेज होते हैं। उन्होंने विभाग से भारतीय गणितीय दृष्टिकोण को लोकप्रिय बनाने के साथ साथ वैदिक गणित के क्षेत्र में वैदिक गणित-अनुसन्धान केंद्र से एक शोध उन्मुख पत्रिका-को शुरू करने को कहा। प्रो बंसल ने विभाग को श्रीनिवास रामानुजन के कार्यों .पर एक वृत्तचित्र और अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए भी प्रेरित किया जो कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक मोर्चों पर व्यावहारिक होने के साथ उपयोगी हो। प्रो . बंसल ने प्रतिभागियों को सूचित किया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर मसौदा दिशानिर्देश तैयार

किए हैं जिनमें वैदिक गणित और खगोल विज्ञान शामिल हैं, इसलिए अनुसंधान के इन क्षेत्रों में काम करने का यह सही समय है। अपने संबोधन के अंत में ,प्रो. बंसल ने वेबिनार के मुख्य वक्ता श्री अतुल कोठारी की अनुमति से उन्हें हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के वैदिक गणित अनुसन्धान केंद्र में प्रैक्टिस प्रोफेसर के रूप में दायित्व प्रदान करने की पेशकश की।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली से मुख्य वक्ता श्री अतुल कोठारी ने अपने संबोधन में विभाग और माननीय कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल को राष्ट्रीय गणित सप्ताह 2023 के समारोह और इस वेबिनार के आयोजन के लिए बधाई दी। श्री कोठारी ने अपने व्याख्यान में गणित के क्षेत्र में नये ज्ञान के सृजन में श्रीनिवास रामानुजन की महत्वपूर्ण भूमिका को बखूबी समझाया जिसमें उन्होंने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे श्रीनिवास रामानुजन ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक मोर्चों पर इतनी सारी बाधाओं का सामना करने के बावजूद गणित के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दिया और इंग्लैंड में अपने प्रवास के दौरान जीवन चक्र के विषम घंटों में भी भारतीय जीवन मूल्यों के साथ समझौता नहीं किया।

उन्होंने वैदिक गणित के क्षेत्र में विश्वविद्यालय में एक इस तरह के शोध केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया जो कि वैदिक गणित के क्षेत्र में दृढ़ता से काम कर सके। उन्होंने आगे कहा कि यदि शोध केंद्र इस प्रकार एक ही मुद्दे पर कम से कम दस वर्षों तक दृढ़ संकल्पित होकर काम करे तो परिदृश्य अलग होगा और संबंधित अध्ययन सामग्री तैयार करने में विश्वविद्यालय का केंद्र निश्चित रूप से सार्थक परिणाम प्राप्त करने तथा संकाय विकास कार्यक्रमों का संचालन करने में अग्रणी होगा। श्री कोठारी ने अपने भाषण के अंत में कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान संस्थान अध्ययन सामग्री तैयार करने और संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने में विश्वविद्यालय को सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार है जिस से कि वैदिक गणित के ज्ञान के प्रचार एवं सृजन के लिए प्रशिक्षित संकाय सदस्य तैयार हो सकें।

वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ पंकज कुमार ने कहा कि मास्टर छात्रों .की अंतिम सत्र की परीक्षा के दौरान भी इस वेबिनार में ऑफ़लाइन और ऑनलाइन मोड में साठ से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी उपस्तिथि दर्ज की| उन्होंने कहा कि वेबिनार अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा। वेबिनार की सहमीनाक्षी के धन्यवाद प्रस्ताव और निर्धारित राष्ट्रगान .आयोजन सचिव डॉ- के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

समापन सत्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग और वैदिक गणितीय अनुसन्धान केंद्र ने संयुक्त रूप से माननीय कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल जी के दिशानिर्देश में महान भारतीय गणितज्ञ-श्रीनिवास रामानुजन की 136वी जयंती पर 18-22 दिसम्बर 2023 तक राष्ट्रीय गणित सप्ताह का आयोजन किया। राष्ट्रीय गणित दिवस समारोह के समापन सत्र में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की|

विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि एवम अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार, कार्यक्रम अध्यक्ष एवम अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. सुनील कुमार, शाहपुर परिसर निदेशक प्रो.भाग चंद चौहान का राष्ट्रीय गणित सप्ताह के

समापन सत्र में स्वागत किया। उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों को राष्ट्रीय गणित सप्ताह के दौरान की गई गतिविधियों से अवगत कराया तथा परीक्षाओं के साथ साथ गणित सप्ताह में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए विद्यार्थियों की सराहना की। प्रो. राकेश कुमार ने इस उपलक्ष्य में कहा कि किसी भी परिघटना को समझने के लिए गणित एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और गणित को केवल गणना और एल्गोरिदम का क्षेत्र नहीं माना जाना चाहिए| उन्होंने छात्रों को गणित की किसी भी समस्या को उसके बहुविषयक परिणामों को ध्यान में रखते हुए हल करने के लिए प्रेरित किया ताकि कारण और प्रभाव के मूल स्तर तक पहुँचा जा सकें।

पोस्टर प्रस्तुति में मृदुल ने झटका पहला स्थान

केंद्रीय वि.वि. शाहपुर परिसर में राष्ट्रीय गणित सप्ताह का समापन

धर्मशाला, 26 दिसम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग और वैदिक गणितीय अनुसन्धान केंद्र की ओर से संयुक्त रूप से महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 136वीं जयंती पर राष्ट्रीय गणित सप्ताह का आयोजन किया गया। वि.वि. के कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल के दिशा-निर्देश में आयोजित समापन सत्र में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि गणित के क्षेत्र में श्रीनिवास रामानुजन का योगदान अतुलनीय है जिसको भुलाया नहीं जा सकता। समारोह में नामीबिया यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी, नामीबिया से आमंत्रित वक्ता ने गणित विषय में भविष्य के संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। समारोह में समूह आधारित प्रतियोगिता गणितीय रंगोली में समूह-ए के प्रतिभागियों कशिश, दीक्षा, मनीष, साहिल और शिवाली ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार समूह-एफ से नेहा, श्यामली, रोजी और वंदना के नाम रहा जबकि तृतीय पुरस्कार समूह-जी से विशाल, मृदुल, आशिमा, सेजल और आकांक्षा ने प्राप्त किया। पाई अंक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमशः विवेक भरमाइक, गरिमा ठाकुर और मंदीप कौर को मिला। गणितीय प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार विवेक भरमाइक, द्वितीय रवि पाठक तथा तृतीय पुरस्कार साहिल ठाकुर के नाम रहा।

गणितीय वार्ता में साहिल ठाकुर ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, विवेक भरमाइक ने गणित का शल्व सत्र दर्शन विषय पर द्वितीय व नालंदा विश्वविद्यालय पर तृतीय पुरस्कार अभिनव को मिला। गणितीय डंब सराज में प्रथम पुरस्कार टीम-बी से शिवाली शर्मा, कशिश और दीक्षा कुमारी को मिला जबकि द्वितीय पुरस्कार टीम-ए से साहिल ठाकुर, विवेक भरमाइक और मनीष के नाम रहा। तृतीय पुरस्कार टीम-सी से स्मृति ठाकुर, अनराग धीमान और सौरव ठाकुर के नाम रहा। गणितीय मॉडल में समूह-बी से अभिनव, नवीन और रोहित कौशल को प्रथम, समूह-डी से जे.पी. शर्मा, अवनीश कुमार और कुलदीप को द्वितीय तथा समूह-ए से मंजु, पूजा और नैन्सी कपूर को तृतीय पुरस्कार मिला। पोस्टर प्रस्तुति में मृदुल को प्रथम, आशिमा कपूर को द्वितीय और रोजी व रिशिता को तृतीय पुरस्कार मिला।

धर्मशाला : समारोह के समापन अवसर पर मुख्यातिथि, संकाय सदस्यों के साथ विजेता विद्यार्थी। (ब्यूरो)

मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन के मूल्यों से समझौता किए बिना भी उच्च स्तर के कार्यों का निष्पादन किया जा सकता है जिसके लिए यह जरूरी नहीं कि जीवन लंबा ही हो। उन्होंने अपने एक बचपन के अनुभव को भी सांझा किया कि किस तरह से उनकी मां ने बिना किसी उच्च शिक्षा के उन्हें गणित की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया था। प्रो. प्रदीप कुमार ने आगे कहा कि गणित के क्षेत्र में श्रीनिवास रामानुजन का योगदान अतुल्नीय है जिसको कि भुलाया नहीं जा सकता | उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपना सुभाशीष प्रदान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की |

इस समारोह में नामीबिया यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नामीबिया से आमंत्रित वक्ता ने गणित विषय में भविष्य के संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने श्रीनिवास रामानुजन के गणित में योगदान से भी प्रतिभागियों तथा संकाय सदस्यों को अवगत कराया | इसके अतिरिक्त, मुख्य वक्ता प्रो. राकेश कुमार ने गणित विषय में संभावित रोजगार के अवसरो के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया|

इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि गणित के बिना विज्ञान और तकनीक में प्रगति संभव नहीं है। उनके अनुसार गणित के सूत्रों के उपयोग से विज्ञान की बारीकियों को आसानी से समझा जा सकता है।उन्होंने कहा कि हमें श्रीनिवास रामानुजन के जीवन से यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि संसाधनों के आभाव में भी कैसे अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

केंद्रीय विवि के शाहपुर परिसर के निदेशक प्रो . भाग चंद चौहान ने अपने भाषण में कहा कि रामानुजन के गणितीय सूत्र केवल गणित में ही नहीं बल्कि विज्ञान की अन्य विधाओं में भी उपयोगी हैं, इसीलिए आगे से राष्ट्रीय गणित सप्ताह को गणित विभाग के साथ साथ विज्ञान के सभी विभाग मिलकर बड़े स्तर पर आयोजित किया करेंगे।

राष्ट्रीय गणित सप्ताह के इस समारोह में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित विभिन्न छात्र उन्मुख गतिविधियों जैसे कि गणितीय डंब सराज, गणितीय मॉडल, पोस्टर प्रस्तुति, गणितीय रंगोली, पाई अंक प्रतियोगिता, गणितीय प्रश्नोत्तरी और गणितीय वार्ता का आयोजन किया गया, जिनका मुख्य उद्देश्य छात्र एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करना तथा उनके अंदर छुपी हुई गणितीय प्रतिभा को उजागर करना था। विभाग के सभी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभाओं का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया ।

समारोह में आयोजित सभी गतिविधियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता अकादमिक, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. राकेश कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। आयोजन के अंत में सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस समारोह को सफल बनाने में गणित विभाग के सभी प्राध्यापकों, शोध छात्रों तथा विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा | विभिन्न प्रतियोगिताओं में निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किये गए:

समूह आधारित प्रतियोगिता गणितीय रंगोली में समूह ए के प्रतिभागियों कशिश, दीक्षा, मनीष, साहिल और शिवाली ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया | द्वितीय पुरस्कार समूह एफ से नेहा, नेहा कुमारी, श्यामली, रोज़ी कुमारी और वंदना के नाम रहा जबकि तृतीय पुरस्कार समूह जी से विशाल, मृदुल, आशिमा, सेजल और आकांक्षा ने प्राप्त किया |

पाई अंक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमशः विवेक भरमाइक, गरिमा ठाकुर और मंदीप कौर को मिला |

गणितीय प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार विवेक भरमाइक को मिला | द्वितीय पुरस्कार रवि पाठक ने प्राप्त किया जबकि तृतीय पुरस्कार साहिल ठाकुर के नाम रहा |

गणितीय वार्ता में साहिल ठाकुर ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, विवेक भरमाइक ने गणित का शुल्व सूत्र दर्शन विषय पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया जबकि नालंदा विश्वविद्यालय पर तृतीय पुरस्कार अभिनव को मिला |

गणितीय डंब सराज में प्रथम पुरस्कार टीम-बी से शिवाली शर्मा, कशिश और दीक्षा कुमारी को मिला जबकि द्वितीय पुरस्कार टीम-ए से साहिल ठाकुर, विवेक भरमाइक और मनीष के नाम रहा | तृतीय पुरस्कार टीम-सी से समरिती ठाकुर, अनुराग धीमान और सौरव ठाकुर के नाम रहा|

गणितीय मॉडल में समूह बी से अभिनव, नवीन और रोहित कौशल को प्रथम पुरस्कार, समूह डी से जे पी शर्मा, अवनीश कुमार और कुलदीप को द्वितीय पुरस्कार तथा समूह ए से मंजु, पूजा और नैन्सी कपूर को तृतीय पुरस्कार मिला |

पोस्टर प्रस्तुति में म्रदुल को प्रथम पुरस्कार, आशिमा कपूर को द्वितीय पुरस्कार और रोज़ी, रिशिता को तृतीय पुरस्कार मिला |

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और कहा कि राष्ट्रीय गणित सप्ताह अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में सफल रहा।

प्रोफेसर राकेश कुमार

विभागाध्यक्ष, श्रीनिवासा रामानुजन गणित विभाग
Head Srinivasa Ramanujan Department of Mathematics
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
अस्थायी शैक्षणिक खण्ड/Temporary Academic Block
शाहपुर, काँगड़ा (हि०प्र०)/Shahpur, Kangra (H.P.)-176206